क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480 सह संपादक : संदीप मौर्या
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 276, बुधवार, 31 अक्टूबर, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

ग्रेटर नोएडा : शारदा यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाला कश्मीरी छात्र 3 दिन से लापता

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा की शारदा यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाला एक कश्मीरी छात्र बीते तीन दिन से संदिग्ध परिस्थितियों लापता हो गया है। इस संबंध में थाना नॉलेज पार्क शिकायत दर्ज कराई गई है। थाना नॉलेज पार्क के प्रभारी निरीक्षक अरविंद पाठक ने बताया कि मूलरूप से कश्मीर का रहने वाला बिलाल ग्रेटर नोएडा स्थित शारदा यूनिवर्सिटी में पढ़ता हैं। उन्होंने बताया कि तीन दिन पूर्व वह यूनिवर्सिटी से दिल्ली जाने के लिए निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। थाना प्रभारी ने बताया कि बिलाल के परिजन ने इस मामले में मंगलवार को थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गुरुग्राम स्कूल हत्याकांड : आरोपी भोलू की जमानत याचिका खारिज

गुरुग्राम। गुरुग्राम स्कूल मर्डर केस में जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड (जेजेबी) ने आरोपी भोलू की जमानत याचिका खारिज कर दी है। बोर्ड ने बचाव और अभियोजन पक्ष की दलीलों को सुनने के बाद यह निर्णय लिया है। अब भोलू को बालिग या नाबालिग मानने को लेकर फैसला तीन नवंबर को होगा। जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने पिछले दिनों इस मामले को स्थानांतरित करते हुए पुनर्विचार करने को कहा था। आरोप पत्र के मुताबिक, भोलू ने पिछले साल आठ सितंबर को गुरुग्राम के एक प्रतिष्ठित स्कूल में सात वर्षीय मासूम छात्र की बेरहमी से हत्या कर दी थी। इस घटना के विरोध में देशभर में आक्रोश देखा गया था। इसके बाद मामले की जांच सीबीआई ने शुरू की और 16 वर्षीय छात्र भोलू को गिरफ्तार किया था।

उपेन्द्र कुशवाहा ने कहा- बीजेपी से चर्चा सकारात्मक रही लेकिन नतीजा कुछ नहीं निकला

एजेंसी,नई दिल्ली। राष्ट्रीय लोक समता पार्टी के अध्यक्ष और केन्द्रीय मंत्री उपेन्द्र कुशवाहा ने आगामी लोकसभा 2019 चुनाव को लेकर बिहार में सीट बंटवारे के बारे में कहा कि अभी तक इस बारे में अभी कुछ भी फाइनल नहीं हुआ है। कुशवाहा ने मीडिया से बात करते हुए मंगलवार को कहा- हमने भारतीय जनता पार्टी को सीट बंटवारे के बारे में अपनी पार्टी और समर्थकों की चाहत से अवगत करा दिया है। कुशवाहा ने कहा कि इस बारे में बीजेपी ने कहा कि हम बातचीत करेंगे। सकारात्मक रही इसका अंतिम नतीजा कुछ भी नहीं निकल पाया है।

आरएलएसपी 66 सीटों पर उतारेगी उम्मीदवार

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में भी राष्ट्रीय लोकसमता पार्टी अपनी किस्मत आजमाएगी। पार्टी अध्यक्ष उपेन्द्र कुशवाहा ने कहा कि मध्य प्रदेश चुनाव को लेकर 66 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नाम की घोषणा करने जा रहे हैं।

तेजस्वी से मुलाकात पर कुशवाहा ने दी सफाई

कुशवाहा ने तेजस्वी से मुलाकात पर सफाई देते हुए कहा- मीडियाकर्मी भी वहां पर मौजूद थे। तेजस्वी यादव सर्किट हाउस में मेरे कमरे में आए। मैं पार्टी से जुड़े काम को लेकर वहां गया हुआ ता और तेजस्वी वहां पर पहले से ही मौजूद थे।

लखनऊ में सोमवार को एक कार्यक्रम में कुंभ मेले के लिए स्पेशल बस को हरी झंडी दिखाते उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड के मुख्यमंत्री क्रमशः योगी आदित्यनाथ और त्रिवेंद्र सिंह रावत।

गाजियाबाद : गैस टैंकर की टक्कर से युवक की मौत, किशोरी ने फांसी लगाकर जान दी

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद के इंदिरापुरम थाना क्षेत्र के सेक्टर-1 के सामने एलिवेटेड रोड पर गलत दिशा से आ रहे गैस के टैंकर की चपेट में आने से घायल हुए बाइक सवार युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं, कविनगर थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात एक नाबालिग लड़की ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान गौरव भाटी निवासी नंदग्राम के रूप में हुई है। गौरव दो बहनों का इकलौता भाई था। पुलिस ने टैंकर को कब्जे में लेकर चालक को भी गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी निरीक्षक नजीर अली ने बताया कि गौरव भाटी सोमवार देर रात काम खत्म कर एलिवेटेड रोड से बाइक से वापस नंदग्राम अपने घर लौट रहा था। इस दौरान गलत दिशा से आ रहे एचपी गैस के टैंकर की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने गंभीर रूप से घायल गौरव भाटी को यशोदा अस्पताल में भर्ती कराया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

किशोरी ने की आत्महत्या

वहीं, कविनगर थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात एक नाबालिग लड़की ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस को मृतका काजल (14) के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस मामले की जांच की जा रही है। थाना प्रभारी निरीक्षक रोजंत त्यागी ने बताया कि पूछताछ में पता चला है की मृतका काजल अवसाद में थी। काजल (14) रोज की तरह अपने माता पिता के साथ रात में खाना खाकर ऊपर कमरे में चली गई और उसके माता-पिता नीचे कमरे में टीवी देखने लगे। जब वे थोड़ी देर बाद ऊपर कमरे में पहुंचे तो उनकी बेटी काजल पंखे के सहारे फंदे से लटकी हुई थी। परिजनों ने तुरंत ही उसे नीचे उतारा और पास ही के अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

शिव विहार से त्रिलोकपुरी जाने के लिए दो बार बदलनी होगी मेट्रो, जानें क्यों?

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो की पिंक लाइन (मजलिस पार्क से शिव विहार) पर शिव विहार से त्रिलोकपुरी सेक्शन खुलने के लिए तैयार है। करीब 18 किलोमीटर का यह सेक्शन 31 अक्टूबर को आम लोगों के खोल दिया जाएगा। मगर, इस पूरे सेक्शन का सफर करने के लिए आपको दो जगह मेट्रो बदलनी पड़ेगी। मेट्रो अधिकारियों ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सेक्शन के आखिरी स्टेशन त्रिलोकपुरी पर क्रासओवर (ट्रेन को एक लाइन से दूसरे तरफ ले जाने के लिए) नहीं है। इस वजह से करीब चार किलोमीटर के सेक्शन पर मेट्रो सिंगल लाइन पर चलेगी। वहीं केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने संसद की सलाहकार समिति की बैठक में कहा कि सरकार पर्यावरण अनुकूल सार्वजनिक परिवहन पर जोर दे रही है।

इसलिए बदलनी होगी ट्रेन

मेट्रो प्रवक्ता अनुज दयाल के मुताबिक, शिव विहार से त्रिलोकपुरी के बीच कुल 15 स्टेशन हैं। इस सेक्शन पर मेट्रो के परिचालन को तीन चरणों में बांटा गया है।

पहला, शिव विहार से मौजपुर। इसमें कुल तीन ट्रेन चलेंगी। इस दौरान यहां ट्रेनों की फ्रीक्वेंसी 5:12 मिनट की होगी।

त्रिलोकपुरी जाने के लिए यात्री को मौजपुर के प्लेटफार्म नंबर-3 पर उतरना पड़ेगा। इसके बाद दूसरे तरफ बने प्लेटफार्म नंबर-2 से आईपी एक्स./त्रिलोकपुरी के लिए मेट्रो मिलेगी। दूसरा सेक्शन मौजपुर से आईपी एक्सटेंशन का होगा। इस पर कुल 10 ट्रेन चलेंगी। ट्रेनों की फ्रीक्वेंसी 5:12 मिनट की होगी। 10 में से हर तीसरी ट्रेन त्रिलोकपुरी तक जाएगी और फिर वापस मौजपुर जाएगी। बाकी ट्रेन आईपी एक्सटेंशन पर बने क्रासओवर के जरिए मौजपुर जाएंगी। तीसरा सेक्शन आईपी एक्सटेंशन से त्रिलोकपुरी होगा। यहां हर 15 मिनट 36 सेकेंड पर ट्रेन मिलेगी।

शीर्ष नेटवर्क में शामिल

मेट्रो प्रवक्ता के मुताबिक दिल्ली मेट्रो 300 किलोमीटर से अधिक वाले दुनिया के शीर्ष मेट्रो नेटवर्क सूची में शामिल हो जाएगा। कड़कड़डूमा स्टेशन धौला कुंआ के बाद दूसरा सबसे ऊंचाई वाला स्टेशन है।

ऐसे लाभ होगा

मेट्रो के मुताबिक, सेक्शन के खुलने से दिलशाद गार्डन से आनंद विहार पहुंचने में लगने वाला 50 मिनट का सफर महज 19 मिनट का हो जाएगा। शिव विहार से त्रिलोकपुरी सेक्शन के खुलने से दिलशाद गार्डन से वेलकम इंटरचेंज से पिंक लाइन पर सफर करके 8 स्टेशन का सफर सिर्फ 19 मिनट में पूरा होगा। किराया भी 30 रुपये लगेगा।

लाजपत नगर से मयूर विहार के सेक्शन दिसंबर तक

पिंक लाइन कुल 58 किलोमीटर का है। 9.7 किलोमीटर के लाजपत नगर से मयूर विहार के सेक्शन पर ट्रायल चल रहा है। इसे दिसंबर में खोलने का लक्ष्य है, जबकि मयूर विहार से त्रिलोकपुरी के बीच 1.5 किलोमीटर का सेक्शन जमीन विवाद के चलते अटका है।

»» न जलाएं अगरबत्ती, धूप और मोमबत्ती
दिल्ली की 'दमघोटू' हवा: दिल्लीवासियों को सलाह

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की वायु गुणवत्ता बिगड़ने की स्थिति इस मौसम में पहली बार मंगलवार को 'गंभीर' हो गई क्योंकि पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने की घटनाओं में तेजी आ गई है। इसके साथ ही राजधानी के लोगों को सलाह दी गई है कि वे पूजा पाठ में इस्तेमाल की जाने वाली अगरबत्ती आदि भी ना जलाएं। और अगर एयर कंडिशनर में ताजा हवा का विकल्प है तो उसे भी बंद कर दें। साथ ही यह भी कहा गया है कि घर के फर्श पर बार बार गीला पोछा लगाने से भी प्रदूषण से राहत पाने में मदद मिल सकती है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) अधिकारियों ने बताया कि समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 401 था जो कि 'गंभीर' श्रेणी में पड़ता है। यह इस मौसम में उच्चतम स्तर है।

केंद्र संचालित 'सिस्टम आफ एयर क्वालिटी फोरकास्टिंग एंड रिसर्च (एसएएफ एआर)' ने एक्यूआई 410 दर्ज किया। इसमें 0 से 50 एक्यूआई को 'अच्छा', 51 से 100 को 'संतोषजनक', 101 से 200 को 'मध्यम', 201 से 300 को 'खराब', 301 से 400 को 'बहुत खराब' और 401 से 500 को 'गंभीर' माना जाता है।

आंकड़ों के अनुसार दिल्ली के 18 क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता की स्थिति 'गंभीर' दर्ज की गई। सबसे अधिक एक्यूआई शाम चार बजे आनंद विहार में 467 दर्ज किया गया।

ग्रेटर नोएडा की हवा की गुणवत्ता भी गंभीर होने की कगार पर है। केंद्र संचालित 'सिस्टम आफ एयर क्वालिटी फोरकास्टिंग एंड रिसर्च (एसएएफ एआर) ने वायु गुणवत्ता में आयी इस गिरावट के लिए 'पिछले 24 घंटे में काफी मात्रा में पराली जलाने और हवा के ठहरे रहने को जिम्मेदार ठहराया।'

एसएएफ एआर अधिकारियों ने कहा कि वायु में पीएम 2.5 से करीब 28 प्रतिशत प्रदूषण पराली जलाने जैसे क्षेत्रीय कारकों के चलते हुआ। इंडियन इंस्टीट्यूट आफ ट्रॉपिकल मेटियोरोलॉजी (आईआईटीएम) ने उपग्रह से ली गई तस्वीरों में दिल्ली के आसपास के राज्यों में कई स्थानों पर आग लगी देखी। एक अधिकारी ने कहा कि एसएएफएआर के नये मॉडल में दिखाये गए नये घटनाक्रम के चलते प्रदूषण अब तेजी से बढ़ने की आशंका है जिसमें प्रमुख प्रदूषक पीएम 10 होगा। एसएएफएआर के नये मॉडल में संकेत है कि पश्चिमी विक्षोभ 31 अक्टूबर से पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में दस्तक दे सकता है। गंभीर प्रदूषण स्तर के लिए प्रमुख कारकों में नमी और भारी हवा शामिल है।

अधिकारी ने कहा, 'सतही हवा की गति में बढ़ोतरी ही एक्यूआई को गंभीर श्रेणी पार जाने से रोक सकती है।' सीपीसीबी में वायु गुणवत्ता प्रबंधन डिविजन के पूर्व अतिरिक्त निदेशक डी साहा ने कहा कि गंगा के मैदानी इलाकों के साथ पूरे उत्तर भारत में वायु की गुणवत्ता गंभीर से बहुत खराब है। एसएएफएआर ने एक परामर्श जारी करके दिल्लीवासियों से कहा है कि बचाव के लिए वे केवल धूल से बचाव वाले मास्क पर ही निर्भर नहीं रहें। इसमें कहा गया, 'यदि कमरे में खिड़कियां हैं तो उन्हें बंद कर दें, एयर कंडीशनर में ताजा हवा की सुविधा है तो उसे बंद कर दीजिए।

लकड़ी, मोमबत्ती और अगरबत्ती जैसी धुआं देने वाली चीजों को जलाने से बचें। बाहर जाने पर एन..95 या पी..100 मास्क का इस्तेमाल करने को कहा गया है।'

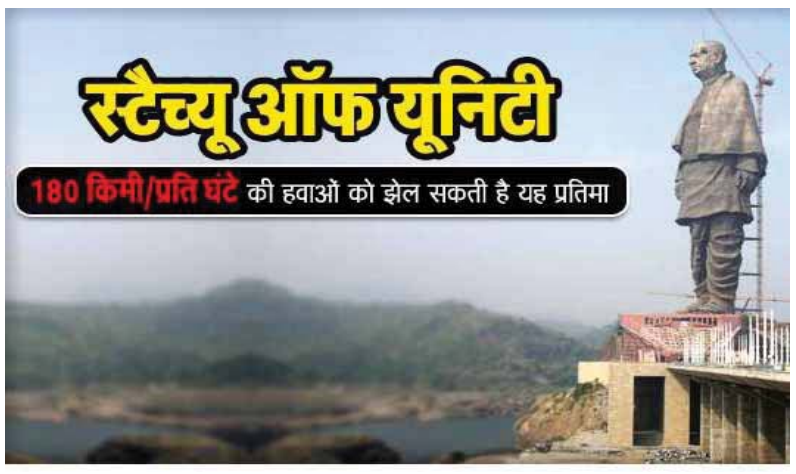

लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के सम्मान में 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' रिकॉर्ड 33 महीने में बनकर तैयार हो गई है। दुनिया की इस सबसे ऊंची मूर्ति का अनावरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 31 अक्टूबर को करेंगे। 1.69 गांवों के किसानों ने मूर्ति के लिए लोहे का दान दिया। इसमें 135 मीट्रिक टन लोहे का दान मिला, जो इसमें इस्तेमाल हुआ है

दाती महाराज के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट को स्टेटस रिपोर्ट सौंपी, सुनवाई 2 नवंबर को

नई दिल्ली, एजेंसी। अपनी शिष्या से यौन उत्पीड़न के आरोपी स्वयंभू उपदेशक दाती महाराज के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने मंगलवार को दिल्ली हाईकोर्ट में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल की। सीबीआई ने चीफ जस्टिस राजेंद्र मेनन की अध्यक्षता वाली एकल पीठ के समक्ष सीलबंद लिफाफे में जवाब दाखिल किया। इसके बाद हाईकोर्ट ने इस मामले की सुनवाई दो नवंबर के लिए सूचीबद्ध कर दी। सीबीआई ने दाती महाराज के खिलाफ अपने आश्रम के एक शिष्या के साथ दुष्कर्म व अप्राकृतिक यौन संबंध बनाने के आरोपों पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सीबीआई की एफआईआर में दाती महाराज उर्फ दाती मदन लाल राजस्थानी व उसके तीन सहयोगियों अशोक, अर्जुन व अनिल पर दक्षिण दिल्ली के फतेहपुर बेरी में नौ जनवरी, 2016 को अपने आश्रम में 25 साल की अनुयायी के साथ दुष्कर्म व अप्राकृतिक यौन संबंध बनाने का आरोप है। दिल्ली पुलिस ने दिल्ली की पीड़िता की शिकायत के बाद जून में मामला दर्ज किया।

कर्नाटक के धर्मस्थल स्थित मंजुनाथ मंदिर में दर्शन करतीं रक्षामंत्री निर्मला सीतारमण। रक्षामंत्री यहां स्व सहायता समूहों के लिए बीमा योजना ''प्रगति रक्षा कवच' की लांचिंग के लिए आई हैं।

»» पुलिसकर्मी बता युवती से किया गैंगरेप,
नाबालिग सहेली से भी की छेड़छाड़

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के कंझावला में रविवार रात खुद को पुलिस वाला बताकर बदमाशों ने एक युवती से सामूहिक दुष्कर्म किया। बदमाशों ने युवती की नाबालिग सहेली के साथ भी छेड़छाड़ की। पुलिस ने सामूहिक दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट एवं छेड़छाड़ का मामला दर्ज कर सोमवार को पीड़िताओं के मजिस्ट्रेट के सामने बयान दर्ज कराए।

पुलिस के अनुसार, 19 वर्षीय युवती अपनी 17 साल की सहेली के साथ रविवार रात कंझावला में घूम रही थी। तभी दो युवकों ने जांच के बहाने उन्हें रोक लिया। दोनों ने खुद को कंझावला थाने में तैनात पुलिसकर्मी बताया। आरोपी दोनों को सुनसान इलाके में ले गए, जहां युवती के साथ दुष्कर्म किया और किशोरी के साथ भी छेड़छाड़ की। बदमाशों के जाने के बाद दोनों पीड़िताओं ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस ने दोनों का मेडिकल कराकर रिपोर्ट दर्ज कर ली।

दोनों बदमाशों के स्केच बनवाए : डीसीपी सेजू पी कुरुविला ने एफआईआर दर्ज होने की पुष्टि की है। सूत्रों के अनुसार, सोमवार को पुलिस ने मजिस्ट्रेट के सामने दोनों के बयान दर्ज कराए इसके साथ ही पीड़िता की सहायता से पुलिस ने बदमाशों के स्केच भी बनवाए हैं। पुलिस इन्हीं स्केच के सहारे बदमाशों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है।

पांच साल की मासूम के साथ फूफा ने रेप किया

झरेरा गांव में सोमवार को बुआ के घर खेलने गई पांच वर्षीय बच्ची के साथ उसके फूफा ने दुष्कर्म किया। तबीयत खराब होने पर बच्ची ने अपनी मां को आपबीती बताई, जिसके बाद परिजनों ने दिल्ली कैंट थाने में शिकायत दी।

पुलिस ने बच्ची का मेडिकल कराने के बाद केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान 55 वर्षीय विनोद (परिवर्तित नाम) के रूप में हुई है। वहीं, पीड़ित बच्ची परिवार संग झरेरा गांव में रहती है। उसके परिवार में माता-पिता के अलावा भाई और बहन हैं।

भतीजी से किया बलात्कार

हौजकाजी इलाके में 32 साल के युवक ने 11 साल की भतीजी के साथ दुष्कर्म किया।

पीड़ित परिजनों ने शनिवार को हौजकाजी थाने में दुष्कर्म एवं पोक्सो की धाराओं में मामला दर्ज कराया, लेकिन अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस के मुताबिक, पीड़िता स्थानीय स्कूल में छठी कक्षा की छात्रा है। वह सीताराम बाजार इलाके में रहती है। पास में बच्ची का चाचा भी रहता है। बताया जाता है कि अगस्त माह में आरोपी चाचा बच्ची को बहला फुसलाकर अपने कमरे पर ले गया था और वहां बच्ची के साथ दुष्कर्म किया।

संपादकीय

विश्व शांति की बात

नरेन्द्र मोदी ने अपने मन की बात कार्यक्रम में कहा कि शांति का मतलब युद्ध न होना नहीं है। यह ऐसा सूत्र वाक्य है, जिस पर गहराई से विचार करने, बहस करने और उसके सही अर्थ को समझ कर उसके अनुसार काम करने की आवश्यकता है। दुनिया पर नजर दौड़ाइए और देखिए कि जहां युद्ध नहीं हो रहा है, वहां क्या शांति है? वस्तुत: शांति के लिए युद्ध न हो, किसी प्रकार का टकराव न हो यह आवश्यक है। इस तरह युद्ध या किसी तरह के संघर्ष में सैनिक अपना बलिदान देकर हमें शांति की ओर से अग्रसर करते हैं।

मोदी ने यह सही कहा कि जहां कहीं भी विश्व शांति की बात होगी, भारत का नाम और उसका योगदान सुनहरे अक्षरों में लिखा होगा। प्रथम विश्व युद्ध समाप्त होने की 100वीं वर्षगांठ दुनिया मनाने जा रही है। उससे भारत का सीधे कोई लेना-देना नहीं था किंतु भारतीय सैनिकों ने उसमें भाग लिया। जिस मोर्चे पर रहे बहादूरी के साथ लड़े और अपना बलिदान दिया। उस समय हमारा देश गुलाम था, और चूंकि ब्रिटेन युद्ध में शामिल था, इसलिए भारतीय सैनिकों को भी उसमें शिरकत करनी पड़ी। हम उनके बलिदान को नहीं भूल सकते। यह अच्छी बात है कि मोदी ने अपने कार्यकाल में शहीद हुए हर भूले-बिसरे जवानों को याद किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी है। हमारे जवानों ने दुनिया को दिखाया है कि अगर युद्ध की बात आती है, तो वे किसी से पीछे नहीं हैं। प्रतिकूल परिस्थितियों में अदम्य साहस दिखाने के पीछे एक ही उद्देश्य रहा है, शांति बहाल करना। हमारे संस्कार में ही शांति है किंतु शांति केवल युद्ध होने और खत्म होने तक सीमित नहीं है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कि गरीबों में सबसे गरीब का विकास ही शांति का असल सूचक है। वास्तव में जब तक समाज में एक बड़ा तबका तंगहाली में जी रहा है, और विकास का लाभ उस तक नहीं पहुंच रहा तब तक समाज में शांति हो ही नहीं सकती। अगर बड़ा समूह अपनी न्यूनतम आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए ही तनाव में जी रहा है, तो शांति हुई कहां। किसी भी व्यवस्था का मूल यही होना चाहिए कि समाज के निचले पायदान पर खड़े व्यक्ति को ऊपर उठाने के लिए कितना काम हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक आतंकवाद, जलवायु परिवर्तन, आर्थिक विकास और सामाजिक न्याय सबको मिलाकर शांति का लक्ष्य हासिल करने का संदेश दिया है। यह तब तक नहीं हो सकता जब तक इन समस्याओं के समाधान के लिए शासन और समाज एकजुट नहीं होता।

संवैधानिक संकट

श्रीलंका में जारी संवैधानिक संकट किस करवट बैठेगा, यह कहना तो मुश्किल है, लेकिन भारत के लिए निश्चित ही चिंता का विषय है। नेपाल, मालदीव और श्रीलंका की घटनाओं ने स्पष्ट कर दिया है कि नई दिल्ली को पड़ोसी देशों के साथ रिश्ते की नये सिरे से समीक्षा करने की जरूरत है। हालांकि भारत ने श्रीलंका के संवैधानिक तख्तापलट पर संतुलित प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि हम अपने घनिष्ठ पड़ोसी और लोकतांत्रिक देश श्रीलंका की राजनीतिक गतिविधियों पर नजर रखे हुए हैं, और उम्मीद है कि वहां लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक प्रक्रियाओं का सम्मान किया जाएगा, लेकिन दूसरी ओर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने नवनियुक्त प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे को बधाईदेकर राष्ट्रपति मैत्रीपाला सिरीसेना की अलोकतांत्रिक कार्रवाई को वैधानिकता देने की कोशिश की है। महिंदा राजपक्षे दो हजार चौदह में श्रीलंका के राष्ट्रपति थे। उस दौरान उन्होंने चीन को अपने देश में निवेश करने के लिए पूरी तरह से छूट दे रखी थी। हालांकि श्रीलंका अब इसका खमियाजा भी भुगत रहा है। श्रीलंका में भारत की भी अनेक ढांचागत और आवासीय परियोजनाएं चल रही हैं। दरअसल, चीन दक्षिण एशियाई देशों में जरूरत से ज्यादा सक्रिय है, और उसकी सक्रियता भारत के लिए चिंता की बात है। चीन का मुकाबला करने के लिए भारत महसूस करता है कि उसके पड़ोसी देशों में मजबूत लोकतांत्रिक संस्थाएं हों। इसलिए नई दिल्ली श्रीलंका के संवैधानिक संकट के मद्देनजर लोकतांत्रिक मान्यताओं का सम्मान करने की बात कह रहा है।

गौरतलब है कि पिछले शुक्रवार को राष्ट्रपति सिरीसेना ने रानिल विक्रमसिंघे को प्रधानमंत्री पद से बर्खास्त कर दिया था। उनके फैसले की वहां के संविधान विशेषज्ञ, राजनीतिक नेता और मीडिया जमकर आलोचना कर रहे हैं। सिरीसेना ने विक्रमसिंघे को संसद में बहुमत साबित करने का मौका भी नहीं दिया जो पूरी तरह से गैर-लोकतांत्रिक है। हालांकि संसद के स्पीकर कारु जयसूर्या ने सिरीसेना के फैसले को खारिज करते हुए विक्रमसिंघे को प्रधानमंत्री के रूप में मान्यता दे दी है। अब सिरीसेना क्या जवाबी कार्रवाई करते हैं, देखा जाना है।

सत्संग

आशीर्वाद

करीब जब भी मेरे पास पहुंच जाता है तभी मैं अपने को असहाय पाता हूं; क्योंकि मैं जो कर सकता हूं, वह उसकी मांग नहीं है। गरीब आदमी कहता है कि मुझे नौकरी नहीं है। वह ध्यान की बात ही नहीं पूछता। उसको प्रार्थना से कुछ लेना-देना नहीं है। मेरा आशीर्वाद चाहता है कि नौकरी मिल जाए। मेरे आशीर्वाद से यह होता तो मैं एक दफा में सभी को आशीर्वाद दे देता। मेरे आशीर्वाद से कुछ मिल सकता है, लेकिन वह नौकरी नहीं है। वह तुम्हारी मांग नहीं है। जब भी गरीब आदमी आता है तो मैं पाता हूं कि उसकी कोई चिंतना धार्मिक है ही नहीं। कभी-कभी कोई धनी आदमी आता है तो उसकी चिंतना धार्मिक होती है। वह भी कभी-कभी। तब वह कभी पूछता है कि मन अशांत है, क्या करूं? गरीब आदमी पूछता ही नहीं कि मन अशांत है। मन का अशांत होना एक खास विकास के बाद होता है। अभी पेट अशांत है; अभी मन को अशांत होने का उपाय भी नहीं है। पेट भर जाए तो मन अशांत होगा। मन भर जाए तो आत्मा बेचैन होगी। असल में, जब आत्मा बेचैन हो तभी मेरे पास आने का कोई अर्थ है। आत्मा बेचैन हो तो मेरे आशीर्वाद से कुछ हो सकता है, मेरे निकट होने से कुछ हो सकता है। जो मैं तुम्हें दे सकता हूं, वह धन और है। जो धन तुम मांगते हो, वह मेरे पास नहीं। गरीब कहते हैं अक्सर कि क्या रखा धन में! मगर यह सांत्वना है। यह वही हालत है जो लोमड़ी ने अंगूर की तरफ छलांग मार कर अनुभव की थी। अंगूर तक नहीं पहुंच सकी, फासला बड़ा था। एक खरगोश झांक रहा था। उस खरगोश ने कहा, क्यों मौसी, क्या मामला है? उस लोमड़ी ने कहा, मामला कुछ नहीं; अंगूर खट्टे हैं। छलांग छोटी है, इसे कहने में तो अहंकार को चोट लगती है। अंगूर खट्टे हैं, छलांग की जरूरत ही नहीं; बेकार सोच कर छोड़ दिए हैं। बहुत से गरीब आदमी कहते मिलेंगे: क्या रखा धन में! क्या रखा महलों में! क्या रखा पदों में! इससे यह मत समझ लेना कि समझ आ गई है। यह तो सिर्फ सांत्वना है। गरीब आदमी की छलांग छोटी है। मांग छोटी चीजों की है। अब मेरी तकलीफ तुम समझ सकते हो। तकलीफयह है कि मैं उसे कुछ देना चाहूं, जरूर देना चाहूं; लेकिन जो मैं देना चाहता हूं, वह उसके काम का नहीं है। जो वह मांगने आया है, वह न तो मेरे पास है, न देने योग्य है, न मांगने योग्य। लेकिन उसकी समझ तो उसे तभी आएगी जब वह गुजर जाए जीवन के अनुभव से।

बाइक रैली पर रोक

लोकतंत्र में कार्यक्रमों का अर्थ माना जाता है कि किसी संगठन के कार्यकर्ता अपने कार्यक्रम अपने विरोध, उत्साह, खुशी को कैसे प्रदर्शित करें, यह एक सामाजिक उत्पादन हैं। ऐसा कोई भी सामाजिक उत्पादन नहीं है जो किसी खास विषय तक सिमट कर रह जाता हो। देर सबेर उसका विस्तार विभिन्न विषयों के साथ दिखाई देता है। मसलन, बाइक रैली राजनीतिक कार्यक्रमों का ही हिस्सा नहीं है, बल्कि धार्मिक कार्यक्रमों का भी हिस्सा हो गई है। यदि हम कहें कि पिछले बीसेक सालों में विरोध, उत्साह और उन्माद को व्यक्त करने के एक मिले-जुले जिस तरीके का सबसे ज्यादा प्रसार हुआ है, वह बाइक रैली है। एक तरह से कहें कि राजनीतिक, धार्मिक संगठनों के बीच अपने कार्यक्रमों के लिए इस बात की होड़ होती है कि वह ज्यादा से ज्यादा मोटरसायकिलें जुटाएं।

सतीश पेडणोकर

अपने विरोध, उत्साह, खुशी को कैसे प्रदर्शित करें, यह एक सामाजिक उत्पादन हैं। ऐसा कोई भी सामाजिक उत्पादन नहीं है जो किसी खास विषय तक सिमट कर रह जाता हो। देर सबेर उसका विस्तार विभिन्न विषयों के साथ दिखाई देता है। मसलन, बाइक रैली राजनीतिक कार्यक्रमों का ही हिस्सा नहीं है, बल्कि धार्मिक कार्यक्रमों का भी हिस्सा हो गई है। यदि हम कहें कि पिछले बीसेक सालों में विरोध, उत्साह और उन्माद को व्यक्त करने के एक मिले-जुले जिस तरीके का सबसे ज्यादा प्रसार हुआ है, वह बाइक रैली है। एक तरह से कहें कि राजनीतिक, धार्मिक संगठनों के बीच अपने कार्यक्रमों के लिए इस बात की होड़ होती है कि वह ज्यादा से ज्यादा मोटरसायकिलें जुटाएं। इसका ही नतीजा था कि 15 फरवरी, 2018 को हरियाणा के जींद में भारतीय जनता पार्टी ने एक लाख मोटरसायकिल जुटाने का कार्यक्रम बनाया। इसके पीछे मकसद बताया गया कि राज्य की राजनीति में नई हुंकार पैदा करने के लिए इतना बड़ा शक्ति का प्रदर्शन जरूरी है। शक्ति प्रदर्शन और लोकतंत्र में विभिन्न तरह के राजनीतिक कार्यक्रमों को करने के बीच फर्क और उनके मकसद अगल-अलग दिखने लगे हैं। लोकतंत्र में कार्यक्रमों का अर्थ माना जाता है कि किसी संगठन के कार्यकर्ता अपने कार्यक्रम अपने विरोध, उत्साह, खुशी को कैसे प्रदर्शित करें, यह एक सामाजिक उत्पादन हैं। ऐसा कोई भी सामाजिक उत्पादन नहीं है जो किसी खास विषय तक सिमट कर रह जाता हो। देर सबेर उसका विस्तार विभिन्न विषयों के साथ दिखाई देता है। मसलन, बाइक रैली राजनीतिक कार्यक्रमों का ही हिस्सा नहीं है, बल्कि धार्मिक कार्यक्रमों का भी हिस्सा हो गई है। यदि हम कहें कि पिछले बीसेक सालों में विरोध, उत्साह और उन्माद को व्यक्त करने के एक मिले-जुले जिस तरीके का सबसे ज्यादा प्रसार हुआ है, वह बाइक रैली है। एक तरह से कहें कि राजनीतिक, धार्मिक संगठनों के बीच अपने कार्यक्रमों के लिए इस बात की होड़ होती है कि वह ज्यादा से ज्यादा मोटरसायकिलें जुटाएं। इसका ही नतीजा था कि 15 फरवरी, 2018 को हरियाणा के जींद में भारतीय जनता पार्टी ने एक लाख मोटरसायकिल जुटाने का कार्यक्रम बनाया। इसके पीछे मकसद बताया गया कि राज्य की राजनीति में नई हुंकार पैदा करने के लिए इतना बड़ा शक्ति का प्रदर्शन जरूरी है। शक्ति प्रदर्शन और लोकतंत्र में विभिन्न तरह के राजनीतिक कार्यक्रमों को करने के बीच फर्क और उनके मकसद अगल-अलग दिखने लगे हैं। लोकतंत्र में कार्यक्रमों का अर्थ माना जाता है कि किसी संगठन के कार्यकर्ता अपने कार्यक्रमों के जरिए अपनी कतार को और लंबी करने के मकसद को पुरा करना चाहते हैं। लेकिन जब शक्ति प्रदर्शन का मकसद हो तो स्पष्ट है कि वे या तो लोगों के सामने या सत्ता के सामने अपनी ताकत भर को जाहिर करना चाहते हैं। उस ताकत में जोड़ने की भावना के बजाय दबाने की प्रतिक्रिया होती है। पिछले कुछेक वर्षों में जिस तरह से बाइक रैलियों की तादाद बढ़ी है, उनमें लोकतांत्रिक मुल्यों के विस्तार से उल्ट शक्ति प्रदर्शन का मकसद एक विचारधारा की तरह अपना विस्तार कर रहा है। हम इस पहलू पर विचार करें कि किसी भी तरह के प्रदर्शन और जुलूस में जो कुछ किया जाता है, उसकी गति लोगों के साथ जोड़ने के मकसद किस हद तक जुड़ी रही है। लोगों के बीच से पैदल निकलना और उन्हें अपनी आवाज में शामिल करने की एक निश्चित गति होती है। बाइक की रफ्तार सड़कों के किनारे खड़े लोगों को छू भी नहीं सकती। बाइक की रफ्तार और उसका शोर संवाद की भी कोई गुंजाइश नहीं बनाता है। दरअसल, आवाज और शोर में यही फर्क है। इस पहलू पर हम कभी विचार नहीं करते कि राजनीतिक और समाज सुधार के लिए लोगों को संगठित करने का जो कार्यक्रम किया जा रहा है, उसका पर्यावरणीय उत्पाद किस तरह का है। वह वातावरण में भरोसे, लोगों को जोड़ने वाली लय, ताल और धुन और ऊर्जा का निर्माण कर रहा है, या आक्रमकता का वातावरण तैयार कर रहा है। बाइक यात्रा के दौरान उत्पादित होने वाला जहरीला धुआं किस तरह से समस्त वातावरण में घुलकर आम जिंदगी को मुश्किल बनाने में मददगार होता है यानी हर तरह के पर्यावरण को होने वाले नुकसान का आकलन करें तो यह समाज सुधार और राजनीतिक हालात में बदलाव के बजाय बुराइयों को बढ़ाने और राजनीतिक हालात में और कटुता पैदा करने वाली एक प्रतिक्रिया की अभिव्यक्ति लगता है। ऊपर जिस रैली का हवाला दिया गया है, उससे जुड़े अध्ययन को ध्यान में रखें तो एक बाइक रैली प्रदुषण का एक पूरा ढांचा तैयार करते दिखाई देती है। पहला : एक किसान ने सोशल मीडिया पर वीडियो डालकर रैली के लिए उसकी 3 एकड़ फसल कटवाने और तंग करने के आरोप लगाया; दूसरा : उस रैली के एक आयोजक ने बताया कि मोटरसाइकिलों के जत्थे के साथ एक एंबुलेंस भी चलेगी ताकि आपात स्थिति में उसका लाभ उठाया जा सके। तीसरा : जत्थे के साथ एक अन्य वाहन भी चलेगा जिसमें मोटरसाइकिल में पंचर लगाने का पूरी सुविधा होगी। यह तो पर्यावरण को खतरे में डालने वाले ढांचे के विभिन्न स्तरों की एक तस्वीर हमारे सामने पेश करता है। लेकिन उससे भी ज्यादा महत्त्वपूर्ण बात है कि

बाइक रैलियां विभिन्न स्तरों पर बंटे लोगों के बीच फर्क को और गहरा करने में मददगार होती हैं। मसलन, उक्त रैली में लाख से ज्यादा मोटरसायकिल जुटाने के लिए योजना बनाई गई कि हर बूथ यानी मतदान केंद्र से 10 से 15 बाइकों का पंजीकरण किया जाएगा। इसका अर्थ है कि उन्हें मतदान केंद्रों के एक ताकत समूह के रूप में स्थापित किया जा सकता है। जिनके पास बाइक नहीं है, उन्हें रैली की योजना जोड़ती नहीं है, बल्कि एक झटके में मूकदशर्क में तब्दील कर देती है। बाइक रैली जैसी राजनीतिक प्रक्रिया फिर उसी तरह की होड़ पैदा करती है, और उस होड़ में समाज का वह हिस्सा नीचे दबता चला जाता है, जो पहले से ही दबा-कुचला है। भूमंडलीकरण की प्रक्रिया में नई आर्थिक नीतियों ने हमारी समस्त राजनीतिक प्रक्रिया को बदल डाला है। इस प्रक्रिया ने सशक्तिकरण का एक भ्रम खड़ा करने में कामयाबी हासिल की है यानी वास्तविक स्तर पर सशक्तिकरण होना और सशक्तिकरण के भ्रम का शिकार होना, दो तरह की स्थितियों का निर्माण देखने को मिलता है। बाइक रैली के बहाने ही हम सशक्तिकरण के भ्रम का अध्ययन कर सकते हैं। मोटरसायकिल की सवारी, उसकी गति और उसका शोर एक सशक्तिकरण का भ्रम पैदा करते हैं। हम देख सकते हैं कि बाइक रैली के विषय क्या होते हैं। बाइक रैली राजनीतिक मकसदों से जुड़े धार्मिक कार्यक्रम और मतदाताओं के बीच आक्रामक समूह तैयार करने के लिए अनुकूल दिखती है। उनकी वेशभूषा पर गौर करें कि वह सामान्य से भिन्न होती है, उसमें एक आक्रामकता मुखर होती है। इस प्रश्न पर भी विचार करें कि मोटरसायकिल राजनीतिक-धार्मिक कार्यक्रमों का हिस्सा बनने का यह समय किस तरह का है। पहली बात कि बाइक रैली भारत जैसे देशों में एक पुरुषवादी सांगठनिक पहल के रूप में सामने आती है। यदि अध्ययन किया जाए कि क्या विभिन्न स्तरों पर बंटे किसी समाज में जब वर्चस्व पर चोट लगती है, तो वर्चस्व रखने वाले वर्ग और उसकी हित-पोषक विचारधारा खुद को संगठित करने के नये-नये रूप अख्तियार करती है, और उसमें नई तकनीकी खोज से उनकी सबसे ज्यादा मदद हो जाती है। बाइक रैली एक आक्रामकता की संस्कृति में सहायक साबित हो रही है। इस पर तत्काल रोक लगानी चाहिए।

चलते चलते

मुंहतोड़ जवाब

गिरफ्तार करने वाले भी वो ही, गिरफ्तार होने वाले भी वो ही। आरोप लगाने वाले भी वो हो, जिन पर आरोप लगे, वो भी वो ही। इधर भी वो ही उधर भी वो ही, तू ही तू तू ही तू इधर भी तू उधर भी तू।बीआई का हाल कुछ कुछ ब्रह्म जैसा हो गया है। सब तरफ तू ती हू। मुंहतोड़ जवाब देंगे-हमारे कई मंत्री यह बोलते हुए अक्सर पाए जाते हैं।

मारने वाला भी वही, बचाने वाला भी वही। जो मरा वह भी वही, जिसने मारा वह भी वही। इधर भी वही, उधर भी वही क्या क्या जी ब्रह्म। गिरफ्तार करने वाले भी वो ही, गिरफ्तार होने वाले भी वो ही। आरोप लगाने वाले भी वो हो, जिन पर आरोप लगे, वो भी वो ही। इधर भी वो ही उधर भी वो ही, तू ही तू तू ही तू इधर भी तू उधर भी तू। सीबीआई का हाल कुछ कुछ ब्रह्म जैसा हो गया है। सब तरफ तू ती हू। मुंहतोड़ जवाब देंगे-हमारे कई मंत्री यह बोलते हुए अक्सर पाए जाते हैं। राष्ट्रीय महत्त्व की एक बहुत खास सुरक्षा-जांच एजेंसी यानी सीबीआई तमाम मंत्रियों के बयान को साकार कर रही है, मुंहतोड़ जवाब दे रही है, खुद ही को। सीबीआई उर्फ सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इनवेस्टीगेशन के नम्बर वन अफसर ने नम्बर टू अफसर के खिलाफ केस दायर कर दिया। सीबीआई के टॉप क्लास अफसरों से जुड़े मामलों में कुछेक करोड़ की रिश्वत के आरोप भी उछले। सीबीआई को लेकर मुझे हमेशा शक रहा है कि आखिर, यह एजेंसी करती क्या है! दशकों तक जांच के बाद केस फाइल होते हैं, फिर भी तमाम आरोपी बाइज्जत बरी हो जाते हैं। यह एजेंसी निकम्मी है, यह आरोप भी अब खारिज हो जाएगा। टॉप का अफसर नम्बर टू पर केस दायर कर रहा है। नम्बर टू आगे नम्बर तीन पर कर सकता है, और कितनी सक्रियता चाहिए। सीबीआई अस्थाना, सीबीआई वर्मा, सीबीआई शर्मा, सीबीआई सक्सेना-सीबीआई इतने प्रकार की हो सकती है, यह मुझे अब पता लगा। पर सीबीआई का विभाजन वैसा ना जाए जैसा तमाम राजनीतिक दलों का हुआ है। कांग्रेस आई, कांग्रेस शरद, कांग्रेस समाजवादी वगैरह।

कंपटीशन हो जाएगा, निजी सेक्टर की तरह। एक फोन सर्विस ढंग से काम ना कर रही तो दूसरे पर चले जाओ। इस तरह का अहसास भी विकट सुकून देता है। मेरे पास एक टेलीकॉम कंपनी की सर्विस थी, बहुत खराब। फिर मैं दूसरी कंपनी के पास चला गया, वह भी समान स्तर की निकम्मी निकली। अब वीतराग-संन्यास भाव आ गया है मेरे मन में। टेलीकाम कंपनी से सीबीआई तक, सब जगह से संन्यास भाव की सप्लाई हो, तब ही भारत विश्व गुरू बनेगा, दोबारा।

फोटोग्राफी...

गुवाहाटी में ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे कचरा बीनती एक महिला।

प्रदूषण की समस्या

प्रदूषण की समस्या दिल्ली और आसपास के इलाकों में जिस तरह धुंध और धुएं के रूप में फैली है, जिसे स्मोग के नाम से जाना जा रहा है, वह अनायास नहीं है। इसका उचित समाधान नहीं हुआ तो आने वाले समय में यह और खतरनाक रूप ले सकती है। दरअसल, इसका सबसे बड़ा और खतरनाक कारण पराली को खेतों में जलाना और उससे निकलने वाला धुआं है। जहां भी धान की खेती हो रही है, वहां यह एक विकट समस्या का रूप ले रहा है। चिंता की बात यह है कि कैसे इससे निजात मिलेगी? सरकार और किसान, दोनों के स्तर पर इसका संयुक्त समाधान क्या हो सकता है? इस तरह के कई सवाल हैं, जो इससे और हमारे जीवन से भी जुड़े हैं। इस धुंध पर जैसा हो हल्ला हो रहा है, वह वास्तविक समस्या की जड़ में पहुंचने की बजाय बेमानी शोर है। राज्यों की तू-तू मैं-मैं और दोषारोपण से सरकारी तंत्र की संवेदनहीनता और गैर-जिम्मेदारी को समझा जा सकता है। क्या यह पूरा सच है कि शहरों में चलने वाले वाहनों और उनकी बेतहाशा बढ़ती संख्या ही जिम्मेदार है? जिसे लेकर दिल्ली सरकार पिछले वर्ष के नाटक को इस वर्ष भी दोहराना चाहती थी। असल में यह दिल्ली सरकार का नाटक और ढोंग है, जो उसका सरकारी स्वभाव बन गया है। किसी भी समस्या की गंभीरता को बिना समझे उस पर इवेंट करना, उसे उत्सवी रूप देना एक तरह की नकारा मानसिकता है। दिल्ली वालों के लिए साफ हवा, साफ पानी और साफ वातावरण की महती जरूरत है, क्योंकि दिल्ली माननीयों का शहर है। अब समय ने संकेत दे दिया है कि माननीयों को भी दिल्ली के बाहर देखना होगा और समय रहते बाहर वालों के विषय में भी सोचना होगा। दिल्ली में अन्य जगहों की तरह खेती-किसानी नहीं होती, लेकिन जहां खेती होती है, वहां का धुआं दिल्ली के जीवन को दमघोंटू बना रहा है। इसके दो कारण हैं। पहला, दिल्ली की सघनता; और दूसरा, सघन बसावट और पेंड-पौधों की कमी यह धुआं देर तक वातावरण में रु का रहता है।दिल्ली से सटे अन्य क्षेत्रों में धुआं ज्यादा देर नहीं टिकता क्योंकि वहां हवा साफहै, उसमें ऑक्सीजन की मात्रा अधिक है, पेड़-पौधे अधिक हैं, और तथा ग्रामीण आबादी की सघनता कम है, जबकि दिल्ली-एनसीआर की सघनता बनिस्बत कई गुनाअधिक है। खेती का अधिकांश काम मशीनों से हो रहा है। लिहाजा, पराली जैसे अनेक कृषि अपशिष्टों की जरूरत कम रह गई है। दूसरी ओर, किसान को दूसरी फसल के लिए खेत को जल्द से जल्द खाली करना होता है, इसलिए उसके सामने जलाने के सिवा कोई दूसरा आसान विकल्प नहीं होता। पहले पराली का उपयोग पशुओं के चारे के लिए होता था। कृषि मजदूरों की उपलब्धता अधिक थी, इसलिए यह बहुत आसान होता था। उद्योगों को चलाने के लिए जो कोयला उपयोग होता है, उसके खनन में कमी आएगी जिससे हमारी खनिज सम्पदा लंबे समय तक सुरक्षित रहेगी। दूसरा, जो धन खदानों से कोयला निकालने में खर्च होता है, उसका उपयोग कृषि अपशिष्ट से कोयला बनाने में हो तो किसानों और खेतिहर मजदूरों को फायदा होगा। शहरों और औद्योगिक इकाइयों पर दिनोंदिन बढ़ता बोझ भी कम होगा। देख सकते हैं कि नारियल के अपशिष्ट से बनने वाले कोयला अफ्रीका और यूरोप में निर्यात होता है। धान की भूसी का कोई उपयोग नहीं होता था लेकिन अब उससे से तेल निकलता है। इस प्रकार पर्यावरण और कृषि के अनुकूल सरकार को ध्यान देना होगा तभी मुकम्मल समाधान निकल सकता है। बिना किसी व्यस्थित समाधान के इससे मुक्त होना लगभग असंभव है।

सार समाचार

तिब्बत में भू-स्खलन के बाद अधिकारियों ने लोगों से सियांग नदी में न जाने को कहा

ईटानगर। तिब्बत में भू-स्खलन के बाद अधिकारियों ने लोगों से कहा है कि वे ऊपरी सियांग जिले से होकर बहने वाली सियांग नदी के आसपास न जाएं क्योंकि भू-स्खलन के बाद उसमें बाढ़ आने की आशंका है। अधिकारियों ने यहां कहा कि अगर यारलुंग सांगपो नदी में सोमवार सुबह 10 बजे हुए भूस्खलन की वजह से वहां बना कृत्रिम बांध टूटता है तो सियांग नदी में बाढ़ आने की प्रबल आशंका है। यारलुंग सांगपो नदी को अरुणाचल प्रदेश में सियांग और असम में ब्रह्मपुत्र के तौर पर जाना जाता है। ऊपरी सियांग के जिलाधिकारी डुली कामडुक ने मंगलवार को एक परिपत्र में कहा कि आपदा प्रबंधन विभाग ने ऊपरी सियांग जिला प्रशासन को यारलुंग सांगपो नदी के मिलिन खंड में भू-स्खलन के बारे में सूचित किया है और इसकी वजह से सियांग में बाढ़ की आशंका के बारे में भी जानकारी दी गई है। परिपत्र में यह भी कहा गया है कि सोमवार रात से तूतिंग में सियांग नदी के पानी की मात्रा में अभूतपूर्व कमी देखी गई है। लोगों को एहतियाती कदम उठाने की सलाह देते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है।

इंग्लैंड के क्रिकेटरों को श्रीलंका में राजनीतिक प्रदर्शनों से दूर रहने की ताकीद

कोलंबो। इंग्लैंड के क्रिकेटरों को इस समय राजनीतिक उथलपुथल से जूझ रहे श्रीलंका में किसी भी तरह के राजनीतिक प्रदर्शनों से दूर रहने की ताकीद की गई है । श्रीलंका में राष्ट्रपति मैत्रीपाला सिरिसेना ने देश के प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे को बर्खास्त करके उनकी जगह पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे को शपथ दिलाई । इंग्लैंड के प्रवक्ता डैनी रूबेन ने कहा ,'' हम सतर्कता बरत रहे हैं और राजनीतिक सभाओं या प्रदर्शनों से बच रहे हैं ।'' उन्होंने कहा ,'' हमें श्रीलंका में राजनीतिक प्रदर्शनों की जानकारी है लेकिन हम पूरा ध्यान पहले टेस्ट की तैयारी पर लगा रहे हैं ।'' उन्होंने कहा कि कोलंबो में चार दिवसीय अभ्यास मैच निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार होगा । इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट गॉल में छह नवंबर से खेला जायेगा ।

चेकोस्लोवाकिया की खुफिया पुलिस के पास डोनाल्ड ट्रंप से जुड़े दस्तावेज हैं

प्राग। चेकोस्लाविया की रहने वाली इवाना जेलनिकोवा के साथ डोनाल्ड ट्रंप के पहले विवाह के बाद वहां की खुफिया पुलिस ने उनसे जुड़े दस्तावेज रखने शुरू कर दिए थे। प्राग के साप्ताहिक अखबार ने ब्रिटेन के गार्डियन अखबार के साथ मिलकर यह जानकारी दी। चेक अखबार रेसपेक्ट ने पूर्व क्षेत्रीय सुरक्षा प्रमुख व्लास्तिमिल दानेक के हवाले से कहा, ''हां, ट्रंप पर हमारी नजर थी।''उन्होंने कहा, ''हमें पता था कि ट्रंप प्रभावशाली हैं। उन्होंने इस बात को कभी भी नहीं छिपाया कि वह किसी दिन राष्ट्रपति बनना चाहते हैं।

ब्राजील की अगली सरकार में सेना के जनरल व अर्थशास्त्री भी होंगे शामिल

रियो डि जेनेरो (एजेंसी)।

ब्राजील के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति धुर दक्षिणपंथी जेयर बोलसोनारो अपने कैबिनेट में महत्वपूर्ण भूमिकाओं के लिए सेना के जनरलों के साथ-साथ मुक्त बाजार के पैरोकार रहे एक अर्थशास्त्री को भी जगह दे सकते हैं। सेना में कैप्टन रहे बोलसोनारो ने भले ही संसद में एक लंबा समय बिताया है, लेकिन वह खुद को बाहरी व्यक्ति मानते हैं और उन्होंने मोटे तौर पर कम राजनीतिक अनुभव वाले नेता को मंत्री बनाने की बात कही है। 63 वर्षीय बोलसोनारो मंत्रालयों की संख्या को 29 से घटाकर 15 तक कर देना चाहते हैं और उन्होंने अन्य पार्टियों के साथ गठबंधन बनाने के लिए कैबिनेट में मंत्री बनाने की प्रथा को समाप्त करने का संकल्प किया है, जो लंबे समय से ब्राजील में राजनीतिक खेल का एक मूल जरिया रहा है। ब्रासीलिया में मैकेंजी प्रेस्बिटेरियन विश्वविद्यालय के एक राजनीतिक रणनीतिकार मार्कोस कोइम्ब्रा ने कहा, ''वह गठबंधन द्वारा राष्ट्रपति पद चुने जाने की व्यवस्था को समाप्त करके देश को चलाने की व्यवस्था को फिर से नये ढंग से शुरू करना चाहते हैं। यह उनकी सबसे बड़ी चुनौती होगी।''

बोलसोनारो की सोशल लिबरल पार्टी के प्रमुख गुस्तावो बेबियानो के मुताबिक, ''मंत्रिमंडल में चार या पांच जनरल होंगे।''रियो डि जेनेरो स्टेट विश्वविद्यालय के राजनीतिक विज्ञानी गेराल्डो मोंटेरो ने कहा कि अपनी सरकार में जनरलों को रखने के अपने वादे के मुताबिक वह इसे लागू करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उनमें से ज्यादातर के पास राजनीतिक अनुभव बिल्कुल भी नहीं है। जिससे कांग्रेस के साथ उन्हें तालमेल बैठाने में मुश्किल होगी। बोलसोनारो के आर्थिक गुरु पाउलो गुइडेस के आर्थिक क्षेत्र में व्यापक अनुभव व संपर्क को देखते हुये उन्हें भी कैबेनेट में शामिल किये जाने की संभावना है। बोलसोनारो ने अपने कार्यकाल में कई आर्थिक सुधार करने की बात की है। वह एक जनवरी से राष्ट्रपति के तौर पर अपना कार्यभार संभालेंगे।

इटली के प्रधानमंत्री गिउसेप कोंटे भारत आए, व्यापार एवं निवेश पर होगी चर्चा

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

इटली के प्रधानमंत्री गिउसेप कोंटे मंगलवार को भारत की एक दिवसीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे जहां वे भारत-इटली प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे और अपने समकक्ष नरेंद्र मोदी के साथ व्यापार तथा निवेश जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देने पर चर्चा करेंगे । प्रधानमंत्री मोदी ने अपने ट्वीट में कहा, '' इटली के प्रधानमंत्री गिउसेप कोंटे का भारत में गर्मजोशी से स्वागत । मैं प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन में उनसे मुलाकात करने और साथ में सहभागिता को लेकर आशान्वित हूं । 'उल्लेखनीय है कि गिउसेप कोंटे 'भारत-इटली प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन' के 24 वें सत्र में भागीदारी कर रहे हैं । विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने ट्वीट किया कि भारत इटली संबंधों की 70वीं वर्षगांठ पर समारोह जारी है । उन्होंने कहा कि इटली के प्रधानमंत्री गिउसेप कोंटे डीएसटी..सीआईआई प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन 2018 में हिस्सा लेने के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर भारत आए हैं । जून 2018 में पदभार ग्रहण करने के बाद इटली के प्रधानमंत्री कोंटे की यह पहली भारत यात्रा है ।

अमेरिका में जन्मे कुछ बच्चों का नागरिकता पर जन्मजात अधिकार खत्म हो : ट्रंप

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

मध्यावधि चुनावों की तरफ बढ़ रहे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर आव्रजन पर अपने कट्टरपंथी रुख को फिर से धार देते हुए घोषणा की कि वह यह आदेश देना चाहते हैं कि गैर अमेरिकी नागरिकों या अवैध प्रवासियों के अमेरिका में जन्मे बच्चों के नागरिकता के संवैधानिक अधिकार को खत्म किया जाए। चुनावों से पूर्व 'एक्सियोस ऑन एचबीओ' पर राष्ट्रपति की यह टिप्पणी आई है।

ट्रंप का मानना है कि आव्रजन पर ध्यान केंद्रित करने से समर्थकों को नए सिरे से ऊर्जा मिलेगी और रिपब्लिकन सदस्यों को संसद पर अपना नियंत्रण बनाए रखने में मदद मिलेगी। आव्रजन को लेकर ट्रंप के इस कट्टर रवैये ने अमेरिका-मैक्सिको सीमा पर मध्य अमेरिकी आव्रजकों के काफिले में बेचैनी एक बार फिर बढ़ा दी है। उन्होंने कहा कि वह अतिरिक्त सैनिकों को भेज रहे हैं । उन्होंने कहा कि वह शरण के इच्छुक लोगों के लिये अस्थायी शहर बसाएंगे।

'जन्म के आधार पर मिली नागरिकता' (बर्थराइट सिटिजनशिप) को खत्म करने के मुद्दे को अदालत में चुनौती दी जा सकती है। इसमें संविधान के संशोधन को बदलने की राष्ट्रपति की एकपक्षीय क्षमता पर सवाल उठ सकते हैं। अमेरिकी संविधान का 14वां संशोधन अमेरिका में जन्मे बच्चों को अमेरिकी नागरिकता के अधिकार की गारंटी देता है। ऐसे किसी कार्यकारी आदेश की वैधानिकता के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा, 'वे कह रहे हैं कि मैं इसे कर सकता हूं, महज एक कार्यकारी आदेश से।'

एक्सियोज वेबसाइट पर मंगलवार को डाले गए साक्षात्कार के एक अंश में उन्होंने कहा है कि हम दुनिया में एक मात्र ऐसा देश हैं जहां एक व्यक्ति आता है, बच्चे पैदा करता है और बच्चा अनिवार्य रूप से अमेरिका का नागरिक बन जाता है। राष्ट्रपति ने कहा कि व्हाइट हाउस के वकील इस प्रस्ताव की समीक्षा कर रहे हैं। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि कितनी तेजी से वह कार्यकारी आदेश पर कार्रवाई करेंगे। अतिरिक्त टिप्पणी के लिये किये गए अनुरोध पर व्हाइट हाउस ने तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

विक्रमसिंघे को बर्खास्त करने के खिलाफ श्रीलंका में प्रदर्शन

कोलंबो (एजेंसी)।

श्रीलंका में बर्खास्त प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे की पार्टी ने राष्ट्रपति मैत्रीपाला सिरिसेना पर तख्तापलट का आरोप लगाते हुए इसके खिलाफ मंगलवार को विरोध प्रदर्शन आयोजित किया। इस बीच दोनों खेमे राजनीतिक संकट को समाप्त करने के लिए संसद में संख्याबल जुटाने का प्रयास कर रहे हैं। श्रीलंका में शुक्रवार को उस समय राजनीतिक संकट गहरा गया था जब राष्ट्रपति सिरिसेना ने औचक फैसले में प्रधानमंत्री विक्रमसिंघे को बर्खास्त कर दिया। उन्होंने महिंदा राजपक्षे को नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया और उनके लिए समर्थन जुटाने की कोशिश में संसद को भी निलंबित कर दिया। सिरिसेना पर संसद सत्र बुलाने और संवैधानिक संकट का समाधान करने के लिए राजनीतिक तथा कूटनीतिक दबाव बढ़ रहा है विक्रमसिंघे की यूनाइटेड नेशनल पार्टी (यूएनपी) मंगलवार को राजधानी कोलंबो में विरोध प्रदर्शन कर रही है। पूर्व मंत्री चंपिका राणावाका ने कहा, ''हम समाज के सभी वर्गों का आह्वान कर रहे हैं जो लोकतंत्र और कानून व्यवस्था में विश्वास रखते हैं।'' विक्रमसिंघे सरकार में वित्त मंत्री रहे मंगला समरवीरा ने कहा, ''यह संवैधानिक सत्तापलट है और लोकतंत्र तथा संप्रभुता को बचाना हमारा कर्तव्य है।''स्पीकर कारू जयसूर्या ने राष्ट्रपति से अनुरोध किया कि विक्रमसिंघे को संसद में विश्वास मत साबित करने दें। पूर्व राष्ट्रपति राजपक्षे के समर्थकों को भरोसा है कि वह संसद में बहुमत साबित कर सकेंगे क्योंकि उन्हें लगता है कि विक्रमसिंघे की यूएनपी के सदस्य दलबदल करेंगे। राजपक्षे के करीबी लक्ष्मण यापा आबेवर्देना ने कहा, ''हम, और अधिक यूएनपी सदस्यों के हमारे साथ आने का इंतजार कर रह हैं। हमारे पास संख्याबल है।'

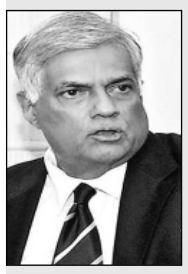

विक्रमसिंघे का कहना है कि उनके पास अब भी बहुमत है। स्पीकर जयसूर्या ने मौजूदा राजनीतिक हालात का आकलन करने के लिए सभी पार्टी के नेताओं की बैठक बुलाई है। कम से कम 128 सदस्यों ने उन्हें पत्र लिखकर संसद का सत्र फिर से बुलाने की मांग की है।

दक्षिणी ध्रुव पर पहला स्थाई हवाईअड्डा बनायेगा चीन

बीजिंग (एजेंसी)।

चीन दक्षिणी ध्रुव में देश के पहले स्थाई हवाईअड्डे का निर्माण करेगा। यह हवाईअड्डा वैज्ञानिकों को साजो सामान उपलब्ध करायेगा और इससे संसाधन-संपन्न अंटार्कटिक में हवाईक्षेत्र प्रबंधन में सुधार होगा। मंगलवार को आधिकारिक मीडिया रिपोर्ट में इस बात की जानकारी मिली। सरकारी अखबार 'साइंस एंड टेक्नोलॉजी डेली' की रिपोर्ट के अनुसार इस कार्य के लिये चीन का 35वां अंटार्कटिक अभियान शुक्रवार को रवाना होगा, जिसका प्रमुख कार्य हवाईअड्डे का निर्माण करना होगा। अंटार्कटिक में चीन निर्मित झोंगशान स्टेशन से 28 किलोमीटर दूर बर्फीले क्षेत्र के पास इस हवाईअड्डा के बनने की संभावना है। चीनी वैज्ञानिकों ने 2009 में अंटार्कटिक में 25वें अभियान के दौरान फिक्स्ड विंग विमान के लिये चार किलोमीटर लंबी, 50 मीटर चौड़ी हवाईपट्टी का निर्माण किया था।

इस अभियान से चीन अब अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे उन देशों की जमात में शामिल हो रहा है जिनके अंटार्कटिक में हवाईअड्डे हैं। यह स्थान सोना, चांदी, प्लेटिनम और कोयला जैसे प्राकृतिक संसाधनों से संपन्न है। इससे पहले की आधिकारिक चीनी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 2010 में बर्फीली परत पर चीन ने फीयिंग नामक हवाईअड्डे का निर्माण किया था।सरकारी 'ग्लोबल टाइम्स' ने 'साइंस एंड टेक्नोलॉजी डेली' की रिपोर्ट के हवाले से लिखा कि इस हवाईअड्डे के निर्माण से चीन को दक्षिणी ध्रुव पर हवाईक्षेत्र प्रबंधन प्राधिकरण प्राप्त करने में मदद मिलेगी। चीन के ध्रुवीय अनुसंधान संस्थान में ध्रुवीय सामरिक केन्द्र के निदेशक झांग शिया ने 'ग्लोबल टाइम्स' को बताया, ''नया हवाईअड्डा मध्यम एवं बड़े विमानों जैसे कि बोइंग विमानों के दक्षिणी ध्रुव से उड़ान भरने और वहां उतरने में मदद करेगा।'' अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण की रिपोर्ट के अनुसार आर्कटिक सर्किल में दुनिया की करीब 30 प्रतिशत गैस मौजूद है जिसे अभी तक खोजा नहीं गया है।

ट्रंप की मध्यावधि चुनाव के लिए आक्रामक प्रचार करने की योजना

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी टीम छह नवम्बर को होने वाले मध्यावधि चुनाव से पहले अपनी रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। यह चुनाव अगले दो वर्षों के लिए कांग्रेस में शक्ति संतुलन का निर्णय करेगा।

छह नवम्बर को होने वाले इस चुनाव के लिए मात्र एक सप्ताह शेष बचा है जिसमें अमेरिकी नागरिक कांग्रेस में प्रतिनिधि सभा के लिए 435 सदस्यों और सीनेट के 100 में से 35 सदस्यों का चयन करेंगे। रिपब्लिकन पार्टी को इस समय सीनेट और प्रतिनिधि सभा दोनों ही जगह बहुमत हासिल है तथा ट्रंप और उनकी टीम रिपब्लिकन पार्टी के पक्ष में प्रचार करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है। राजनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी प्रतिनिधि सभा का नियंत्रण फिर से हासिल करने की तैयारी में है जबकि रिपब्लिकन पार्टी का सीनेट में नियंत्रण बरकरार रहेगा जहां उसे बहुत कम अंतर से बहुमत हासिल है।ट्रंप 2020 में दोबारा चुनाव में उतरेंगे जिसे देखते हुए अपना राजनीतिक एजेंडा पूरा करने के लिए उनके लिए दोनों सदनों में नियंत्रण महत्वपूर्ण है। ट्रंप पिछले कई सप्ताह से रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवारों के समर्थन में प्रचार कर रहे हैं।

वर्तमान समय में प्रतिनिधि सभा में रिपब्लिकन पार्टी के पास 235 सीटें जबकि डेमोक्रेटिक पार्टी के पास 193 सीटें हैं। राष्ट्रपति ट्रंप का काफी कुछ दांव पर लगा है क्योंकि दोनों में से किसी भी सदन में डेमोक्रेटिक पार्टी का बहुमत होने पर पार्टी को उनके प्रशासन के विभिन्न पहलुओं की जांच शुरू करने की शक्ति मिल जाएगी।

अंतिम छह दिनों के दौरान ट्रंप और उनकी प्रचार टीम आठ महत्वपूर्ण प्रांतों..फ्लोरिडा, मिसौरी, वेस्ट वर्जीनिया, इंडियाना, मोंटाना, जार्जिया, टेनेसी और ओहियो में 11 रैलियां करेंगे।

अमेरिकी कैद से रिहा पांच बंदियों को तालिबान ने दी अहम जिम्मेदारी

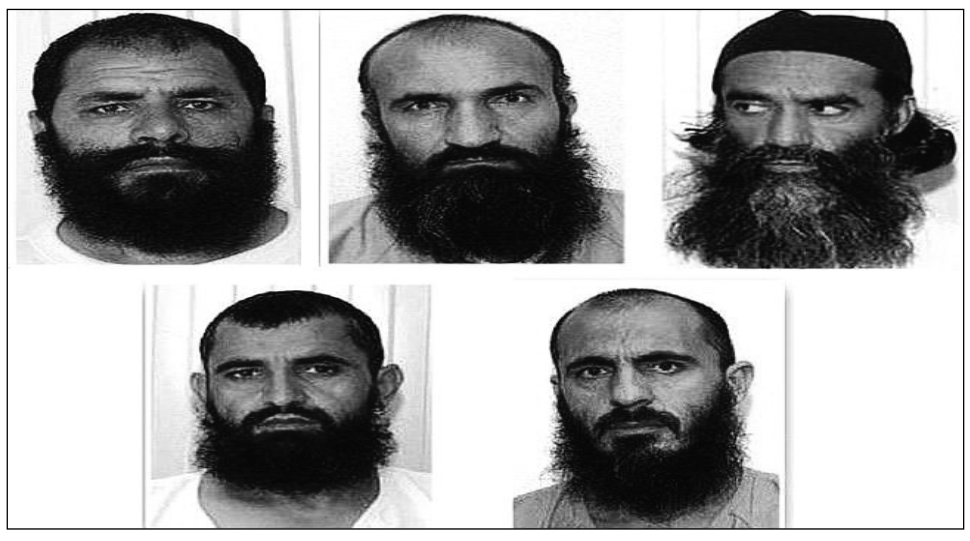

काबुल (एजेंसी)।

तालिबान ने अमेरिका की कैद से रिहा हुए अपने पांच सदस्यों को अहम जिम्मेदारी सौंपी है। आतंकी संगठन ने उन्हें कतर स्थित अपने सियासी दफ्तर में तैनात किया है। अफगानिस्तान में शांति के लिए होने वाली वार्ता में इनकी अहम भूमिका होगी। पांचों आतंकियों को अमेरिकी सेना की ग्वांतानामो बे जेल से साल 2015 में रिहा किया गया था। उनकी रिहाई अमेरिकी सेना के सार्जेंट बोवे बर्गदहल के बदले की गई थी। तालिबान ने बोवे को 2009 में बंधक बना लिया था।

तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने मंगलवार को कहा, 'मुल्ला मुहम्मद फजल मजलूम, मुल्ला नूरुल्ला नूरी, मुल्ला अब्दुल हक वासिक, मुल्ला खैरुल्ला खैरख्वा और मौलवी मुहम्मद नबी उमरी को कतर के सियासी दफ्तर में नियुक्त किया गया है। वे अफगानिस्तान में शांति के लिए होने वाली वार्ता में तालिबान के प्रतिनिधियों में शामिल होंगे।% तालिबान के एक अन्य सदस्य ने बताया कि संगठन के सरगना हैबतुल्ला के आदेश पर इनकी नियुक्ति की गई है। दो हफ्ते पहले ही अफगानिस्तान के लिए विशेष अमेरिकी दूत जल्मे खलीलजाद ने तालिबान के कतर दफ्तर के सदस्यों से मुलाकात की थी।

तालिबान के शासन में रह चुके हैं मंत्री

कतर दफ्तर में नियुक्ति पाने वालों में फजल मजलूम अफगानिस्तान में तालिबान के शासन (1996 से 2001) के दौरान उप रक्षा मंत्री था। जबकि अब्दुल हक को उप खुफिया प्रमुख, खैरुल्ला खैरख्वा को गृहमंत्री, नूरुल्ला नूरी को बल्ख प्रांत का गवर्नर बनाया गया था। नबी उमरी सेना में तैनात था।

वीवर्स के साथ 99.17 लाख की धोखाधड़ी

सूरत। शहर के रिंग रोड न्यु आदिनाथ हाउस और रघुकुल मार्केट में व्यवसाय करनेवाले व्यापारी ने दलाल के माध्यम से समय मर्यादा में पेमेन्ट चुकाने का भरोसा देकर 14 वीवर्स के पास से 99.17 लाख का ग्रे-कपड़े का माल खरीदने के बाद भुगतान नहीं चुकाकर दुकान बंद कर पलायन किया। सलाबतपुरा पुलिस सूत्रों के अनुसार भटार अलथाण कैनल रोड शालीन एवन्यु निवासी प्रकाश मूलचंद पटेल पांडेसरा जलाराम एस्टेट में पावर लु स चलाते हैं। प्रकाश समेत 14 वीवर्स के पास से रिंग रोड न्यु आदिनाथ हाउस में माया फैशन के प्रशासक विजय चंपालाल छाजेड (निवा. स्वस्तिक रेसीडेन्सी, खरवासा रोड) और रघुकुल मार्केट में विवेक क्रिएशन के प्रशासक रिशी मोहन शाह (निवा. साईं विला रेसीडेन्सी, डिंडोली) ने दलाल मनोज पांडे (निवा. आशापरुरी सोसायटी, उधना) के माध्यम से से समय पर पेमेंट चुकाने का झांसा देकर 99,17,528 रूपए का ग्रे-कपड़े का माल उधार में खरीदा था। इसके बाद पेमेंट की वसूली करने पर फोन उठान बंद कर दुकान को ताला मारकर फरार हो गए। गत रोज प्रकाश पटेल ने शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने विजय छाजेड़, रिशी शाह और दलाल मनोज पांडे के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

सरथाणा में मामा ने किया भांजी से बलात्कार

सूरत। कामरेज रोड स्थित लसकाणा गाम में रहनेवाले मजदूर परिवार की 14 वर्षिय पुत्री को सगे मामा ने हवस का शिकार बनाने की घटना प्रकाश में आयी है। पुलिस ने आरोपी को गिर तार किया है।

लसकाणा गांव इलाके में प्रमोद किराये के मकान में रहकर संचा खाता में मजदूरी कर परिवार का गुजारा चलाते हैं। उनकी पत्नी भी काम कर आर्थिक मदद करती है। इस दौरान चार दिन पहले प्रमोद का साला सुनिल रहने के लिए आया था। इस दौरान गत रोज रात में पूरा परिवार मकान की छत पर सोया था तभी उसने अपनी 14 वर्षीय भांजी पर नीयत बिगाड़ लिया और जबरन दुष्कर्म किया। मामा की हरकत के बारे में दूसरे दिन सुबह पड़ोसी को सूचित करने के बाद शाम को उसकी मां काम पर से घर लौटने पर मामा की करतूत के बारे में बताया। मां के पैरों तले से मानो जमीन ही खिसक गई। पुत्री के साथ पुलिस थाने में पहुंचकर शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

पास नेता अल्पेश कथीरिया पर सुनवाई टली

जेल में बीतेगी दिवाली

सूरत। राजद्रोह के आरोप में जेल में सूरत पास कन्वीनर अल्पेश कथीरिया की दिवाली जेल में बीतेगी। गुजरात हाईकोर्ट से अल्पेश कथीरिया को कोई राहत नहीं मिली और मामले की अगली सुनवाई 19 नवंबर पर टल गई।

राजद्रोह के आरोप में अगस्त महीने में गिर तार अल्पेश कथीरिया को फिलहाल गुजरात हाईकोर्ट से जमानत नहीं मिली। हाईकोर्ट में अल्पेश कथीरिया के वकील ने दलील दी कि सरकार ने उनके मुवक्कील के खिलाफ द्वेषपूर्ण कार्यवाही की है। अल्पेश कथीरिया अपने समाज पाटीदार के लिए आरक्षण की मांग कर रहे थे और उन्होंने राजद्रोह किया। वकील ने यह भी कहा कि आरक्षण आंदोलन के दौरान के 45 में से 39 मामले सरकार ने वापस ले लिए हैं। दूसरी सरकार की ओर से अल्पेश कथीरिया की जमानत का जोरदार विरोध किया गया है। सरकारी वकील ने कहा कि अल्पेश कथीरिया के साथियों ने पूरे गुजरात को बंधक बना लिया था। राज्यभर में अशांति और तनाव का माहौल पैदा किया था। भड़काऊ भाषण दिए, जिससे राज्य में हिंसा और तोड़फोड़ हुई। फिलहाल अल्पेश कथीरिया मामले की जांच चल रही है और अदालत में आरोप पत्र भी पेश नहीं किया गया। ऐसे में अल्पेश कथीरिया को जमानत नहीं दी जाए। गुजरात हाईकोर्ट में आज दोनों पक्षों की दलीलें

अडाजण में मकान से लाखों की चोरी

सूरत। शहर क अडाजण के कावसजी नगर के मकान को चोरों ने निशाना बनाकर तिजोरी से 1.88 लाख रूपए का सामान चोरी कर फरार हो गए।

अडाजण पुलिस सूत्रों के अनुसार अडाजण मोरारजी गार्डन निकट कावसजी नगर निवासी काशीनाथ जनार्दन सीवासने के मकान को गत 25 अक्टूबर को सुबह सात से दोपहर 1 बजे के दौरान चोरों ने निशाना बनाया। चोरों ने मख्य दरवाजे का लॉक तोड़कर अंदर प्रवेश करने के बाद तिजोरी से सोने-चांदी के गहने और दो मोबाइल समेत 1,88,000 रूपए के सामान की चोरी कर फरार हो गए। पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

ग्रीन पटाखे पर सुप्रीम कोर्ट का आदेश

दिल्ली-एनसीआर के लिए शर्त, पटाखा समय बढ़ाने से इनकार

कोर्ट ने कहा तमिलनाडु में दिवाली के दौरान दो घंटे पटाखा छोड़ने का समय राज्य सरकार तय कर सकती

अहमदाबाद। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को साफ किया कि ग्रीन पटाखे की शर्त केवल दिल्ली-एनसीआर के लिए है और देश के बाकी हिस्सों में सामान्य पटाखे ज लाए जा सकेंगे। कोर्ट ने साथ ही पटाखा फोड़ने के दो घंटे में समय बदलाव से साफ इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कुछ दिन पहले दिए गए अपने फैसले में पटाखा फोड़ने का समय रात ८ बजे से १० बजे तक तय किया था। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने समय में बदलाव की तमिलनाडु सरकार की अपील पर एक नया निर्देश जरूर जारी किया है। कोर्ट ने कहा कि तमिलनाडु में दिवाली के दौरान दो घंटे पटाखा छोड़ने का समय राज्य सरकार तय कर सकती है। बता दें कि तमिलनाडु सरकार ने शीर्ष अदालत में याचिका दाखिल कर धार्मिक परंपरा का हवाला देते हुए सुबह से समय पटाखा फोड़ने की इजाजत मांगी थी। शीर्ष अदालत ने कहा कि ग्रीन पटाखे केवल

दिल्ली-एनसीआर में ही जलाए जाएंगे और यह देश के अन्य हिस्सों पर लागू नहीं होगा। तमिलनाडु सरकार ने वकील बी विनोद खन्ना के मार्फत याचिका दायर कर शीर्ष अदालत के इस आदेश में संशोधन करने का अनुरोध करते हुए कहा था कि राज्य में सुबह साढ़े चार बजे से लेकर सुबह साढ़े छह बजे तक भी पटाखे फोड़ने की इजाजत दी जाए। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले दिए गए अपने आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने पटाखें की बिक्री कर पूरी तरह से बैन लगाने से साफ इनकार कर दिया था। हालांकि शीर्ष अदालत ने कुछ शर्तो के साथ पटाखों की बिक्री को इजाजत दे दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि पटाखों की ऑनलाइन बिक्री नहीं की जा सकती है।

कॉल सेन्टर के मालिक सहित १९ आरोपी गिरफ्तार

विदेशी नागरिकों के साथ धोखाधड़ी का पर्दाफाश

आपकी गाडी पुलिस के कब्जे में है, जिसमें से कोकीन और ब्लड सेम्पल मिले हैं यह बताकर धोखाधड़ी करते

अहमदाबाद। आपकी गाडी पुलिस के कब्जे में है, जिसमें से कोकीन और ब्लड सेम्पल मिले हैं। यदि आपको अपने आपको बचाना हो तो पुलिस को गिफ्ट देनी पड़ेगी यह बताकर विदेशी नागरिकों के साथ धोखाधड़ी करते कॉल सेन्टर का पर्दाफाश नवरंगपुरा पुलिस ने किया है और यह पूरे घोटाले में दो स्थानीय युवकों के अलावा नागालैंड के १७ युवक-युवती मिलाकर कुल १९ आरोपियों की गिरफ्तारी की गई है। गत देर रात को नवरंगपुरा पुलिस ने विदेशी नागरिकों के साथ धोखाधड़ी करते एक कॉल सेन्टर का स्टेडियम पांच रास्ते के निकट पर्दाफाश किया गया। जिसमें दवाईयों की कोई गलत असर हुआ हो ऐसे विदेशी नागरिकों के डेटा लेने के लिए कानूनी कॉल सेन्टर चल रहा था। लीगल कॉल सेन्टर की आड़ में वह दूसरे विदेशी नागरिकों को आपकी लोन ओवर ड्यू हो गई है, यदि आपको कोर्ट के बाहर सेटलमेन्ट करना हो तो वोलमार्ट या गूगल प्ले का दो हजार डॉलर का गिफ्ट वाउचर लेकर इसका नंबर हमें दो यह कहकर धोखाधड़ी करते थे। सीजीरोड पर स्थित स्टेडियम पांच रास्ते के निकट पोलारिश बिल्डिंग के तीसरे मंजिल पर टेलिकॉम कंपनी के कॉल सेन्टर की आड़ में विदेशी नागरिकों के साथ धोखाधड़ी करने का इन्टरनैशनल कॉल सेन्टर चल रहा यह जानकारी नवरंगपुरा पुलिस स्टेशन में पुलिस कॉन्स्टेबल के तौर पर डयूटी करते विपुल आहीर को मिली थी। यह कॉल सेन्टर धनुषी टेक्नोलॉजी और एलसन टेक्नोलॉजी नाम से धवल शाह और आलोक कोष्टी चला रहे थे मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने छापेमारी कर घटना स्थल से १४ कंप्यूटर, मेजिक जेक सहित का मालसामान जब्त किया गया है। पुलिस सूत्रों के बताये अनुसार, धवल शाह और आलोक कोष्टी पहले टेलिकॉम कंपनी के कॉल सेन्टर की आड़ में इन्टरनैशनल कॉल सेन्टर चला रहे थे। एक महीने पहले टेलिकॉम कंपनी का कॉल सेन्टर बंद कर दिया था। दो लोगों ने कानूनी कॉल सेन्टर की आड़ में विदेशी नागरिकों के साथ धोखाधड़ी करने का शुरू किया था।

अस्पताल की महिला से सफाई कामगार ने की छेड़छाड़

सूरत। सूरत महानगरपालिका संचालित मस्कति अस्पताल में काम करनेवाली महिला सफाई कामगार को साथी सफाई कामगार ने शारीरिक छेड़छाड़ किया।

महीधरपुरा पुलिस सूत्रों के अनुसार सैयदपुरा एस.एम.सी. क्वार्टर निवासी अरूण भरत सूरती सूरत महानगरपालिका संचालित मस्कति अस्पताल में सफाई कामगार के तौर पर नौकरी करते हैं। उसकी अस्पताल में काम करनेवाली सफाई कामगार 38 वर्षीय महिला पर दानत बिगड़ी थी, और गत कुछ दिन से महिला को अपने साथ शारीरिक संबंध बनाने के लिए दबाव बना रहा था। गत 11 अक्टूबर को रात में अरूण ने महिला का हाथ पकड़कर शारीरिक छेड़छाड़ किया। वहीं महिला के साथ जातीय शोषण किया। पुलिस ने महिला की शिकायत के आधार पर पुलिस मामला दर्ज कर अरूण सूरती को गिरफ्तार किया है।

हवन की आहुतियों से सुवासित हुई फिजाए विशाल भंडारे के साथ संगीतमय रामकथा की पूर्णाहुति

सूरत। भेस्तान गार्डेन के आगे अवकार ट्रेडर्स के बगल स्थित मैदान में धमी रक्षति रक्षत सेवा समिति द्वारा संगीतमय श्रीराम कथा का आयोजन किया गया। 9 दिवसीय अमृतमयी श्रीराम कथा को कथा वाचक बालमुकुंद महाराज ने अपने मृदुल आवाज में श्रोताओ को रसपान कराया। संगीतमयी राम कथा की पूर्णाहुति मंगलवार को हवन पूजन के साथ हुई। लोक कल्याणार्थ हवनकुंड में आहुति दी गई। हवन आहुतियों से इलाके की हवाएं सुवासित हो गई। देरात तक चले भंडारे में संजय शुक्ला, बृजेश कुमार तिवारी सहित काफी तादाद में लोग महाप्रसाद पाई।

तत्कालीन मुख्यमंत्री और फिलहाल के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्टेच्यू ऑफ यूनिटी का सपना देखकर शिलान्यास की विधि २०१३ में की थी। इसके बाद दृढ़ इरादा और मजबूत इच्छा शक्ति के बीच निर्माणकाम शुरू हुआ और मंगलवार को विश्व की सबसे ऊंची १८२ मीटर की प्रतिमा तैयार हो चुकी है जिसका लोकार्पण अब होगा। फाइल फोटो में मोदी शिलान्यास करते और इसके बाद निर्माण प्रक्रिया तथा तैयार प्रतिमा दिखाई दे रही है।

पटना के शाह और हाईकोर्ट के रेड्डी सुप्रीम में न्यायाधीश

अहमदाबाद। सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम द्वारा मूल गुजराती और अहमदाबाद के गुजरात हाईकोर्ट के तत्कालीन वरिष्ठ न्यायमूर्ति और फिलहाल के पटना हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस एमआर. शाह, गुजरात हाईकोर्ट के फिलहाल के चीफ जस्टिस आर. सुभाष रेड्डी, मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस हेमंत गुप्ता और त्रिपुरा हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस अजय रस्तोगी की सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के तौर पर सिफारिश की गई है। आगामी सप्ताह में यह ४ चीफ जस्टिस के सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस के तौर पर नियुक्ति के मामले में नोटिफिकेशन, वॉरंट सहित की प्रक्रिया संपन्न होने की संभावना है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश की संख्या २८ की होगी, जो कुल मंजूर जगह से सिर्फ तीन ही कम है। अहमदाबाद के और गुजराती ऐसे पटना हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस एमआर. शाह की सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस के तौर पर नियुक्ति होने पर गुजरात के न्यायतंत्र सहित पूरे गुजरात राज्य में खुशी की लहर फैल गई है। क्योंकि गुजरात के न्यायतंत्र के लिए यह बहुत बड़ी और गौरवपूर्ण घटना है। उल्लेखनीय है कि, दो महीने पहले शहर में खराब रास्तों, अंधाधुंध पार्किंग और आवारा पशुओं की समस्या को लेकर गुजरात हाईकोर्ट के तत्कालीन वरिष्ठ न्यायमूर्ति जस्टिस एमआर. शाह ने एएमसी प्रशासन, पुलिस प्रशासन सहित के शासकों ने किए प्रभावी निर्देशों का ही परिणाम है कि, हाल अहमदाबाद शहर राज्य के बड़े शहरों में ट्राफिक नियमन, अंधाधुंध पार्किंग, अवैध निर्माणकार्यों-अतिक्रमणों को हटाने के मामले में फिलहाल प्रभावी ड्राइव चलाई जा रही है।

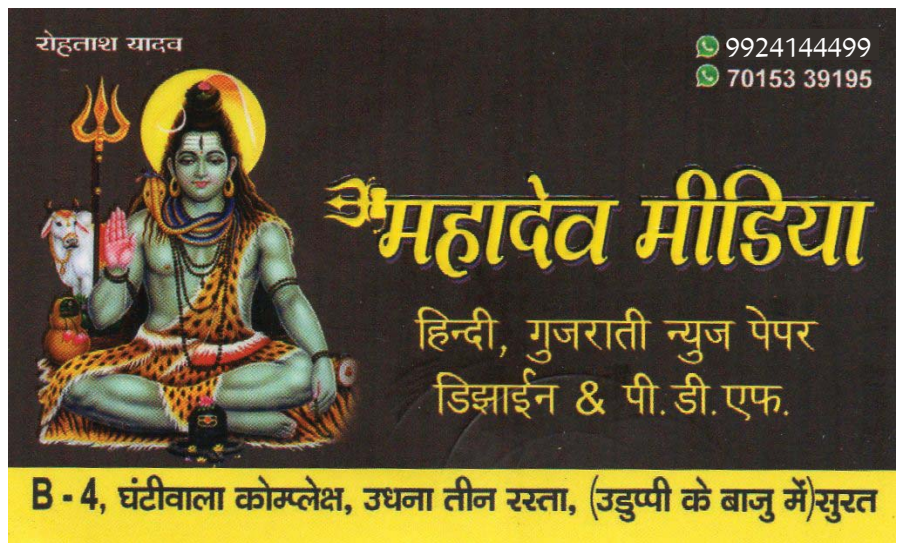

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित,
संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)